भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2473

जिसका उत्तर दिनांक 16.03.2022 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा क्षमता

2473. श्री श्याम सिंह यादव :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार अपनी कुल स्थापित सात गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने के लिए निकट भविष्य में नए परमाणु रिएक्टर बनाने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए कि अनेक देश अपने परमाणु ऊर्जा स्टेशनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर रहे हैं और साथ ही सीओपी 26 में भारत की शून्य निवल प्रतिबद्धता के आलोक में सरकार की परमाणु रिएक्टरों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की कोई योजना है या भविष्य में नए परमाणु रिएक्टरों का निर्माण जारी रखने की योजना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां ।

(ख) वर्तमान में 6780 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 22 रिएक्टर प्रचालनरत हैं और एक रिएक्टर, केएपीपी-3 (700 मेगावाट) को 10 जनवरी 2021 को ग्रिड से जोड़ दिया गया है । 8000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 10 रिएक्टर (भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 मेगावाट पीएफबीआर सहित) विभिन्न चरणों में निर्माणाधीन हैं । सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लीट) मोड में स्थापित किए जाने के लिए 7000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 10 और रिएक्टरों के निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है । निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, नाभिकीय क्षमता वर्ष 2031 तक 22480 मेगावाट पहुंच जाएगी ।

(ग) वर्तमान में, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का कोई प्रस्ताव नहीं है । नाभिकीय ऊर्जा, अपनी विशाल क्षमता और स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल होने के नाते देश को संधारणीय तरीके से दीर्घकालीन ऊर्जा उपलब्ध करा सकती है । इस प्रकार शुद्ध शून्य अर्थव्यवस्था के लिए देश के ऊर्जा परिवर्तन में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है । इसलिए अधिक नाभिकीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाए जाने की योजना है ।

* * * * *